MGP

गाँधी और शांति अध्ययन
में
स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम
(माड्यूलर कार्यक्रम)

सत्रीय कार्य
वर्ष 2019–2020 के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पीजीसीजीपीएस)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थियों,

जैसा कि हमने गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (माड्यूलर कार्यक्रम) की कार्यक्रम दर्शिका में बताया है कि प्रत्यके पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा। इस पुस्तिका में **गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.पी.एस.)** के सत्रीय कार्य हैं। यह गाँधी और शांति अध्ययन के माड्यूलर कार्यक्रम के पाठ्यक्रम हैं।

आपको सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके एक निश्चित समयावधि के बीच जमा करना है जो आपके कार्यक्रम का एक हिस्सा है और यह आपको कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में बैठने के योग्य बनाते हैं जिनमें आपका पंजीकरण हुआ है। सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सभी निर्देशों को ध्यानपूवर्क पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने ही शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और यह आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सभी सत्रीय कार्यों को आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकित करने के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको इन्हें वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होगा।

प्रस्तुतीकरण : आपको सत्रांत परीक्षा देने की पात्रता प्राप्त करने के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी सत्रीय कार्यों को अवश्य जमा करना होगा। पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

समय सारणी

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई 2019 सत्र के लिए	31 मार्च 2020	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें
जनवरी 2020 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2020	

शुभकामनाओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

सत्रीय कार्य करने के लिए मार्ग निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य के प्रत्येक श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें, यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगी :

1) **योजना :** सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उनका ध्यान से अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारे में महत्त्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन :** अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले थोड़ा चयनशील बनें और विश्लेषण करने का प्रयास करें। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष लिखने पर समुचित ध्यान दें :

   यह सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर :

   क) तर्कसंगत, प्रासंगिक और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही–सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरणः** जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तरों की स्वच्छ प्रति तैयार करें। उत्तर साफ–साफ हस्तलिपि में लिखें और जिन बिन्दुओं पर ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें।

शुभकामनाओं के साथ!

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

पाठ्यक्रमः गाँधी : व्यक्ति और उनका काल (एम.जी.पी.–001)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–001
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–001/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. भारत की आजादी में गाँधी के राष्ट्रवाद और अंतर्राष्ट्रीयवादी विचारों ने कैसे योगदान दिया, व्याख्या कीजिए।
2. गाँधी की जिंदगी के उन निर्णायक क्षणों और घटनाओं का वर्णन कीजिए जिसने उनके चरित्र का निर्माण किया।
3. निम्नलिखित विषयों की मूल विशेषताएं एवं गाँधी के लिए इनके महत्त्व का उल्लेख कीजिए :
   (क) रामायण का प्रभाव
   (ख) रायचंद भाई का प्रभाव
4. गाँधी के आगमन के दौरान दक्षिण अफ्रीका में रह रहे भारतीयों की स्थितियों की चर्चा कीजिए।
5. सांप्रदायिक अधिनिर्णय (Communal Award) और पूना संधि के सार को संक्षेप में समझायें।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) खेड़ा सत्याग्रह (1918)
   (ख) चम्पारण सत्याग्रह (1917–18)
7. (क) अहिंसक संघर्ष का महत्व
   (ख) असहयोग आंदोलन की उपलब्धियां
8. (क) गाँधी के रचनात्मक कार्यक्रम
   (ख) गाँधी का बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय (1916) में अभिभाषण
9. (क) गाँधी और भारत छोड़ो आंदोलन
   (ख) मुस्लिम लीग और पाकिस्तान की माँग
10. (क) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भगत सिंह का योगदान
    (ख) विनायक दामोदर सावरकर की 'एसेंशियल ऑफ हिन्दुइज़्म'

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का परिचय (एम.जी.पी.–005)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी–005
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी–005/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. शांति की विभिन्न अवधारणाओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए तथा 'शांति, कल्याण और न्याय के लिए अत्यावश्यक है', सोदाहरण समझाएँ।
2. संघर्ष समाधान के विभिन्न बलात्मक पद्धतियों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
3. भारत के संविधान में वर्णित न्याय के सिद्धांत की विवेचना कीजिए।
4. शांति और लोकतंत्र के बीच क्या संबंध हैं? वे किस प्रकार एक–दूसरे के पूरक हैं?
5. संघर्ष को परिभाषित कीजिए और संघर्ष के सामान्य स्त्रोतों का परीक्षण कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समकालीन संघर्षों के वैश्विक स्त्रोत
   (ख) संघर्ष समाधान के तरीके
7. (क) शांति शिक्षा पर गाँधीवादी विचार को विस्तार से बतायें।
   (ख) द्वंद्व समाधान के लिए सत्याग्रह एक साधन के रूप में, इसका आलोचनात्मक विवरण दीजिए।
8. (क) शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था के लिए अहिंसा का महत्व
   (ख) भारत में न्याय के साधन
9. (क) समानता और असमानता पर उदारवादी और मार्क्सवादी विचार
   (ख) मानव विकास और गरीबी–उन्मूलन
10. (क) संघर्ष समाधान की बलात्मक पद्धतियाँ
    (ख) वैकल्पिक द्वंद्व समाधान की अवधारणा और अर्थ

पाठ्यक्रमः गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन (एम.जी.पी.ई.–007)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–007
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–007/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. गाँधीवादी उपरांत राजनीतक संरचना और इसकी कार्यप्रणाली की व्याख्या कीजिए।
2. राष्ट्रवादी आंदोलन के दौरान व्यक्तिगत आंदोलन की व्याख्या कीजिए।
3. वर्तमान समय में मानव जाति को प्रभावित करने वाले पारिस्थितिक मुद्दों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
4. मद्य–निषेध नीति और भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधित प्रमुख समस्याओं की व्याख्या कीजिए।
5. गाँधी के बाद अहिंसात्मक आंदोलन के परिणामों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भाग–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) संपूर्ण क्रांति
   (ख) भूदान आंदोलन

7. (क) महिलाओं और नागरिक अधिकार आंदोलन
   (ख) संयुक्त राज्य अमेरिका में नागरिक अधिकार आंदोलन

8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) जल–संरक्षण आयोग

9. (क) अहिंसात्मक आंदोलन के प्रकार
   (ख) पर्यावरण–नारीवाद आंदोलन

10. (क) पोलैंड में अहिंसात्मक सॉलिडेरिटी आंदोलन
    (ख) दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद विरोधी आंदोलन

पाठ्यक्रमः शांति और संघर्ष समाधान का गाँधीवादी दृष्टिकोण (एम.जी.पी.ई.–008)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः एम जी पी ई–008
सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–008/ए एस एस टी/टी एम ए/2019–20
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

खण्ड–I

1. सामुदायिक शांति के सिद्धांत के आधार का परीक्षण कीजिए।
2. असहिष्णुता से निपटने के लिए गाँधी द्वारा प्रपादित भिन्न समाधानों का विश्लेषण कीजिए।
3. आप अपने शब्दों में निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :
   (क) सामुदायिक शांति पर गाँधी के दृष्टिकोण
   (ख) सहनशीलता और सामंजस्य की समझ
4. विश्व संघ और देशों के बीच शांति पर गाँधी की योजना का संक्षिप्त परीक्षण कीजिए।
5. मानव में अंतर्निहित संघर्ष के संबंध में कुछ प्रमुख सिद्धांतों के प्रतिपादन की परिचर्चा कीजिए।

खण्ड–II

निम्नलिखित के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए :

6. (क) समझौता और मध्यस्थता के उपागम
   (ख) शांति सेना
7. (क) कानूनी लड़ाई पर गाँधी के विचार
   (ख) औद्योगिक संघर्ष पर गाँधी के विचार
8. (क) चिपको आंदोलन
   (ख) पेट्रा कैली और जर्मन ग्रीन पार्टी
9. (क) संघर्ष समाधान में संवाद और समझौता की महत्ता
   (ख) संघर्ष समाधान के लिए उपवास
10. (क) निर्भयता और साहस के विचार
    (ख) असम में विद्रोह